सकरी-सरायगढ़ रेल-लाइन का बिछाया जाना

*126. **श्री राम नाथ ठाकुरः** क्या **रेल मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि पूर्व प्रधान मंत्री ने वर्ष 2004 में बिहार में सकरी से निर्मली होते हुए सरायगढ़ तक रेल लाइन के निर्माण हेतु आधारशिला रखी थी;

(ख) यदि हां, तो इस कार्य में अब तक हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है;

(ग) उपरोक्त परियोजना को कब तक पूरा कर लिया जाएगा और उसके लिए कितनी धनराशि की आवश्यकता होगी;

(घ) अपेक्षित धनराशि की तुलना में आवंटित धनराशि का, वर्ष-वार, ब्यौरा क्या है; और

(ड.) सरकार इस महत्वपूर्ण परियोजना को कब तक पूरा कर लेने का विचार रखती है?

रेल मंत्री (श्री पीयूष गोयल)ः (क) से (ड.) विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) और (ख) जी हां। पूर्व माननीय प्रधानमंत्री ने 06.06.2003 को केवल कोसी पुल की आधारशिला रखी थी, जो निर्मली-सरायगढ़ (22 कि.मी.) नई लाइन परियोजना का भाग है।

कोसी पुल के एक ओर (पश्चिमी दिशा) सकरी से निर्मली तक मौजूदा मीटर लाइन थी और नदी के दूसरी ओर (पूर्वी दिशा) सरायगढ़ से फारबिसगंज तक भी मौजूदा मीटर लाइन थी। निर्मली के रास्ते सकरी और सरायगढ़ के बीच बिहार के लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी मुहैया कराने के लिए, निर्मली और सरायगढ़ के बीच नई लाइन सहित कोसी पुल को 323.40 करोड़ रुपए की लागत पर 2003-04 में स्वीकृत किया गया था। इस परियोजना की नवीनतम लागत 499.41 करोड़ रुपए है। इस पुल की कुल लंबाई 1800 मीटर है और पुल सहित निर्मली और सरायगढ़ के बीच नई लाइन की कुल लंबाई 22 कि.मी. है। कोसी पुल की पुल संरचना (39 स्पैन x 45.7 मीटर) का कार्य पूरा हो गया है और कोसी पुल के पूर्वी एवं पश्चिमी पहुंच मार्गों के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

(ग) से (ड.) कोसी पुल सहित निर्मली और सरायगढ़ के बीच नई लाइन को चालू करने के लिए, बिहार सरकार द्वारा सुपौल जिले में 1.8 एकड़ भूमि अभी अधिगृहीत की जानी है।

इसके अलावा, सकरी और निर्मली के बीच आमान परिवर्तन का कार्य शुरू कर दिया गया है।

2018-19 के दौरान, निर्मली और सरायगढ़ के बीच नई लाइन परियोजना को पूरा करने के लिए 75 करोड़ रुपए निधि की आवश्यकता होगी।

2014-15 से, इस नई लाइन परियोजना के लिए समुचित निधि आवंटित की जा रही है। इस नई लाइन परियोजना के लिए आवंटित निधि का वर्षवार विवरण निम्नानुसार हैः—

वर्ष	आबंटन (करोड़ रुपए)
2014-15	25
2015-16	25
2016-17	65
2017-18	25

निर्मली से सरायगढ़ तक नई लाइन सहित कोसी पुल के कार्य और सकरी एवं निर्मली के बीच आमान परिवर्तन कार्य को 2018-19 के दौरान पूरा करने का लक्ष्य है।

Laying of Sakri Saraigarh railway line

†*126. SHRI RAM NATH THAKUR: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a former Prime Minister had laid the foundation for laying of the Sakri to Saraigarh railway line *via* Nirmali in Bihar, in the year 2004;

(b) if so, the progress made so far;

(c) by when the above project would be completed and the amount of funds required for the same;

(d) the year-wise allocation of funds in comparison to the desired funds; and

(e) by when Government proposes to complete this important project?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI PIYUSH GOYAL): (a) to (e) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) and (b) Yes, Sir. A former Hon'ble Prime Minister had laid foundation stone of only Kosi Bridge on 06.06.2003 which is part of Nirmali-Sarayagarh (22 km.) New Line project.

Sakri to Nirmali was an existing meter gauge line on one side (west side) of the Kosi river and Sarayagarh to Forbesganj was also existing meter gauge line on the other side (East side) of the river. To provide connectivity to the people of Bihar between Sakri and Sarayagarh *via* Nirmali, Kosi Bridge including new line between Nirmali and Sarayagarh had been sanctioned in 2003-04 at a cost of ₹ 323.40 crore. The latest cost of this project is ₹ 499.41 crore. Total length of the bridge is 1800 m and the total length of newline between Nirmali and Sarayagarh

† Original notice of the question was received in Hindi.

including bridge is 22 km. The bridge structure of Kosi Bridge (39 span x 45.7 m) has been completed and the work of east and west approaches of Kosi Bridge have been taken up.

(c) to (e) For commissioning of new line between Nirmali and Sarayagarh including Kosi bridge, 1.8 acre of land in Supaul district is yet to be acquired by the State Government of Bihar.

Further, the work of gauge conversion between Sakri and Nirmali has been taken up.

During 2018-19, a fund of ₹ 75 crore will be required for completion of new line project between Nirmali and Sarayagarh.

Since 2014-15 onward, sufficient funds are being allotted to this new line project. Year-wise allocation of funds made for this New line project is as under:–

Year	Allotment (₹ in crore)
2014-15	25
2015-16	25
2016-17	65
2017-18	25

The work of Kosi Bridge including new line from Nirmali to Sarayagarh and gauge conversion work between Sakri and Nirmali, is targeted to be completed during 2018-19.

श्री राम नाथ ठाकुर (बिहार): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि वे वर्तमान वित्तीय वर्ष में निर्मली और सरायगढ़ के बीच नई लाइन चालू करेंगे अथवा नहीं?

श्री पीयूष गोयल: सभापति महोदय, यह भी एक ऐसी लाइन है, जिसका foundation stone उस समय के माननीय प्रधान मंत्री, श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने 6 जून, 2003 को कोसी महासेतु, कोसी के ऊपर 1,800 मीटर का एक ब्रिज lay किया था। इसके साथ-साथ इसमें कई लाइनें मीटर गेज से ब्रॉड गेज होनी थीं, साथ में कुछ नई लाइनें लगनी थीं। जब 2014 में सरकार बदली और हमने देखा कि इन सबके ऊपर बहुत धीमा काम चल रहा है, तो इनको बहुत अधिक मात्रा में पैसे की उपलब्धि कराई गई। माननीय सदस्यों को यह जान कर खुशी होगी कि पहले 4 साल में इस योजना के लिए लगभग 215 करोड़ रुपए दिए गए, जबिक इसकी original cost ही 323 करोड़ रुपए होनी थी। अब इसमें तेज गति से progress हो रही है। इसमें कोसी ब्रिज का काम 2018-19 में खत्म हो जाएगा। साथ ही साथ, जो नई लाइन निर्मली से सरायगढ़ और जो सकरी से निर्मली gauge conversion हो रहा है, इनका काम भी मार्च, 2019 तक खत्म करने का अनुमान है।

श्री राम नाथ ठाकुरः सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से पूछना चाहता हूँ कि कोसी पुल की संरचना में दोनों तरफ पहुँच पथ तैयार नहीं हुआ है, तो क्या वर्तमान वित्तीय वर्ष में सरकार पहुँच पथ बनाने का प्रयास करेगी?

श्री पीयूष गोयलः सर, इसमें एक छोटी सी जमीन की समस्या है, जिसके लिए राज्य सरकार से हमारी बातचीत चल रही है। एक बार वह जमीन आ जाए, तो ब्रिज के जो दोनों access points हैं, उन दोनों का काम भी हम साथ ही साथ मार्च, 2019 में खत्म करेंगे।

MR. CHAIRMAN: The question is about Bihar. Please confine to it.

डा. अनिल कुमार साहनी (बिहार)**:** सर, मेरा question बिहार से ही सम्बन्धित है। मैं माननीय मंत्री जी से कहना चाहूँगा कि उत्तर बिहार, खास कर शिवहर जिला बराबर बाढ़ से तंग और तबाह रहता है। बाढ़ के समय वहां आने-जाने का मात्र एक ही रास्ता हो सकता है और वह रेल लाइन है। उस रेल लाइन को बनाने के लिए अमर शहीद जुब्बा साहनी जी के नाम पर मुजफ्फरपुर में जुब्बा साहनी नामक एक रेलवे स्टेशन है।

MR. CHAIRMAN: Question, please.

डा. अनिल कुमार साहनीः सर, question ही है। इसका विस्तार करते हुए अभी तक शिवहर जिले को रेल लाइन से नहीं जोड़ा गया है। जुब्बा साहनी स्टेशन से मीनापुर, मीनापुर से बनघारा, बनघारा से शिवायपट्टी और शिवायपट्टी से शिवहर को जोड़ देने से...

MR. CHAIRMAN: Please confine to the question. We are not discussing the Demands for Grants. We are discussing a specific question.

डा. अनिल कुमार साहनीः सर, मेरा प्रश्न है कि इस जिले को रेल लाइन से जोड़ा जाएगा या नहीं?

श्री पीयूष गोयलः सभापति महोदय, जब मैंने Chartered Accountancy पढ़ी थी, तब भी मुझे इतनी तैयारी नहीं करनी पड़ी, जितनी एक-एक रेलवे लाइन की अलग-अलग स्थिति जानने के बारे में तैयारी करनी पड़ रही है।

महोदय, मैं माननीय सदस्य महोदय को बताना चाहूंगा कि बिहार में गत तीन वर्षों में जितना बजट एलोकेशन हुआ है, वह ऐतिहासिक है। आप अगर पहले का समय देखेंगे, 2009-2010 से 2013-2014 तक का समय देखेंगे, उस समय हर वर्ष औसतन 1,132 करोड़ रुपये बिहार को रेलवे लाइनों के लिए मिलते थे। गत तीन वर्षों में इस एमाउंट को डबल करके 2,227 करोड़ रुपये कर दिया गया है और इस वर्ष, 2017-18 में 3,696 करोड़ रुपये, केंद्र सरकार के द्वारा बिहार के अंदर प्रोजेक्ट्स के ऊपर खर्च करने के लिए एलोकेट किए गए हैं।

महोदय, जहां तक नई रेलवे लाइन, मोतिहारी-सीतामढ़ी वाया शिवहर की बात है, यह 76 किलोमीटर की लाइन 2006-07 में सैंक्शन जरूर की गई थी, लेकिन उसका जो अनुमानित खर्च है, वह इतना ज्यादा आ रहा था कि उसका कोई return on investment नहीं बन रहा था। इस लाइन के संबंध में हम बिहार सरकार के साथ चर्चा में हैं, लेकिन आज के दिन वह प्रोजेक्ट अभी होल्ड पर रखा हुआ है।

श्री हरिवंश (बिहार): सभापति जी, धन्यवाद, मेरा बहुत संक्षिप्त और छोटा सा सवाल है। महोदय, बिहार से, खास तौर पर पटना से दिल्ली आने वाली ट्रेनें सामान्य दिनों में भी अमूमन बहुत लेट पहुंचती हैं। खास तौर से मुगलसराय से दिल्ली के बीच हर एक मिनट पर ट्रेन होने के कारण, बहुत वर्षों से कंजेशन चल रहा है। रेलवे बराबर यह कहता है कि हम इसको ठीक कर रहे हैं और ट्रेन अपने सामान्य समय पर ही आएगी।

महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि पटना और बिहार से दिल्ली पहुंचने वाली ट्रेनें समय पर कब तक पहुंचने लगेंगी?

श्री सभापतिः मंत्री जी all rounder हैं, इसलिए सदस्य भी all round क्वेश्चंस पूछ रहे हैं, लेकिन आपका क्वेश्चन मूल क्वेश्चन के साथ जुड़ा हुआ होना चाहिए।

श्री पीयूष गोयलः सभापति महोदय, मैं माननीय सदस्य महोदय से पूरी तरह से सहमत हूं। Punctuality एक बहुत अहम मुद्दा है। सरकार की भी यही प्राथमिकता है कि गाड़ियां समय पर पहुंचें, जिससे सभी यात्रियों को सुविधा हो। गत कुछ महीनों से या पिछले दो-तीन वर्षों से हमने बहुत सोच-समझ कर एक निर्णय लिया है कि पहले कुछ समय हमें सेफ्टी के ऊपर फोकस करना पड़ेगा। पहले के समय में सेफ्टी के ऊपर पूरी तरह से फोकस नहीं रखे जाने के कारण over used assets या tracks renewal का काम टाइम पर नहीं हो पाया, जिसके कारण एक्सिडेंट्स की संभावना बढ़ जाती थी और लोगों की जान खतरे में पड़ जाती थी। यह निर्णय हमने बहुत सोच-समझ कर लिया है कि पहले पुरानी लाइनों को ठीक करने की पूरी कोशिश की जाए और पिछला जितना भी backlog है, उसको ठीक करने को पहले प्राथमिकता दी जाए। इसके साथ-साथ जो प्रोजेक्ट्स doubling, tripling and quadrupling के चल रहे थे, उनको तेज़ी से पूरा किया जाए। जैसे मुगलसराय स्टेशन का capacity utilization करीब 200 प्रतिशत है, फिर भी उसी लाइन पर और गाड़ियां चलाने के लिए मेरे पास हर हफ्ते 100 से अधिक डिमांड्स आती रहती हैं। मैं समझता हूं कि dedicated freight corridor की जो मंजूरी हुई है, उस पर बड़ी धीमी गति से काम चल रहा था। गत दो-तीन वर्षों में उस पर भी बहुत फोकस किया गया है ताकि अगले दो-अढ़ाई वर्षों में उस काम को भी खत्म किया जा सके।

सभापति महोदय, हमारी कोशिश यह है कि पूरी लाइन कैपेसिटी को unclog किया जाए और जहां-जहां constraints हैं, उनको ठीक किया जाए, जिससे समय पर गाड़ियां जा सकें, साथ ही सेफ्टी को मद्देनज़र रखते हुए, इस वर्ष हमारी कोशिश है कि record track renewal किया जाए।

Delay and cancellation of trains

*127. SHRI NEERAJ SHEKHAR: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the number of trains delayed and cancelled since 1 August, 2017 to 15 December, 2017, Zone-wise and date-wise;

(b) the number of trains which reached on or before time since 1 August, 2017 to 15 December, 2017, Zone-wise and date-wise;